PARTS OF SPEECH (शब्द भेद)

किसी भी वाक्य को लिखने या बोलने के लिए शब्दों के समूह का उपयोग किया जाता है। वाक्य में मौजूद संदेश को सही भाव और अर्थ में प्रस्तुत करना या कर पाना एक अच्छे वक्ता और लेखक की पहचान है। इसे हम कुछ इस तरह भी समझ सकते है - किसी भी वाक्य को लिखने व बोलने के लिए शब्दों के समूह का प्रयोग किया जाता है। वाक्य में प्रयोग इन सभी शब्दों को कोई न कोई नाम जरूर दिया जाता है, जैसे - संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण आदि। शब्दों के सही प्रयोग को समझने के लिए ही इन्हें 8 वर्गों में बाँटा गया है जिन्हें "शब्द भेद" यानि **Parts of Speech** कहते हैं।

8 प्रकार के Parts of Speech (शब्द-भेद) इस प्रकार हैं...

1. **Noun(संज्ञा)**
2. **Pronoun(सर्वनाम)**
3. **Adjective(विशेषण)**
4. **Verb(क्रिया)**
5. **Adverb(क्रिया विशेषण)**
6. **Preposition(सम्भंद सूचक अव्यय)**
7. **Conjunction(सयोंजक)**
8. **Interjection(विस्मयादिबोधक)**

आज की क्लास में हम इनके बारे में बहुत ही संक्षिप्त में जानेंगे। आगे की classes में हम इन भेदों में से कुछ के बारे में detail में जानेंगे।

1) Noun (संज्ञा) -

हिंदी में, **noun** को संज्ञा कहते हैं। **Noun** वाक्य संरचना यानि **sentence** बनाने में मदद करता है। सरल शब्दों में किसी भी प्राणी, स्थान या वस्तु के नाम को संज्ञा कहते हैं। किसी भी वाक्य में **nouns** अलग अलग प्रकार से प्रयोग किया जा सकता है जैसे किसी वाक्य में यह **subject (**कर्ता**)** हो सकता है तो किसी में **object.** आइए **nouns** के कुछ **example** देखते हैं **-**

Person — **Rohan is an intelligent boy. (**रोहन एक बुद्धिमान लड़का है।**)**

Animal — The **puppy is playing in the garden. (**पिल्ला बगीचे में खेल रहा है।**)**

Place — The **hotel is open. (**होटल खुला है।**)**

Thing — Please shut the **door and lock it. (**कृपया दरवाजा बंद करें और इसे लॉक करें।**)**

ऊपर दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्द **noun** है।

Nouns 5 प्रकार के होते हैं पर हम इनके बारे में detail में अपनी अगली class में जानेंगे। अभी सिर्फ इतना जानना आवश्यक है कि NOUNS क्या होते हैं।

2. Pronoun (सर्वनाम)

Noun (संज्ञा**)** के स्थान पर जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है उन्हें **Pronoun (**सर्वनाम**)** कहते हैं। सर्वनाम का उद्देश्य पुनरावृत्ति **(repetition)** से बचना है जिससे वाक्य को समझना बहुत ही आसान हो जाता है। कुछ सामान्य **Pronouns** है **- He, She, It, They, You, We etc .** पर इसके अतिरिक्त भी **pronouns** होते हैं जो वाक्य में अलग अलग उद्देश्य को पूरा करते हैं। **Nouns** में दिए गए **examples** को ही हम एक बार फिर से देखते हैं **-**

Rohan is an intelligent boy. Rohan works in an intelligence department. Rohan lives in New Delhi.

इन वाक्यों में **Rohan** को बार बार लिखा गया है जो लिखने और सुनने दोनों में ही अच्छा नहीं लगता। इसलिए **Rohan** की जगह हम **He pronoun** का **use** कर सकते हैं जिससे हमारा वाक्य और भी प्रभावशाली दिखाई देगा और इसका अर्थ भी नहीं बदलेगा।

Rohan is an intelligent boy. He works in an intelligence department. He lives in New Delhi.

एक गलती जो हम अक्सर करते हैं कि वाक्य में कही पर भी pronoun का use कर लेते हैं जो की गलत है। इसके भी rules होते हैं और Pronouns के भी कई भेद होते हैं। जो हम अपनी आने वाली class में पढ़ेंगे।

3. Verb (क्रिया)

Verbs part of speech का एक भाग है जो **subject (**कर्ता**)** के **action (**कार्य**)** को बताता है। **Verbs** के बिना किसी भी **sentence** का अस्तित्व न के बराबर है। ये वाक्य में अलग अलग उद्देश्य को पूरा करते हैं जैसे **-**

1. **statement** बनाने में **– The dog ran** home.
2. प्रश्न पूछने में **– Did** he **run** home?
3. **Command** देने में **– Run** home.

4. किसी कार्य को बताने में – **The dog <u>ran</u>** after the ball.
5. कार्य की होने की अवस्था को बताने में – **The dog <u>is tired</u>** from running.

इन सभी वाक्यों में रेखांकित शब्द **verb** है।

<u>बहुत ही संक्षिप्त में हम verbs के भेद जान लेते हैं -</u>

1. **<u>Action verb</u>** – ऐसे **verbs** जो उन **actions** को बताए जो या तो शारीरिक **(talk, run, fall etc.)** हो या फिर मानसिक **mental (think, hope, choose, etc.)**
2. **<u>Linking verb</u>** – जो क्रियाएँ वाक्य के **subject** को अन्य शब्द से जोड़ें जैसे **- appear, be, feel, grow, look, remain, seem, smell, sound, stay, taste, etc.**
3. **<u>Auxiliary or Helping verb</u>** – इनका **use tense, voice,** या **mood** बताने के लिए होता है। इसका हम **detail** में अध्ययन करेंगे।
4. **<u>Transitive verb (सकर्मक क्रिया)</u> – transfers the action from one noun to another and always has an object that receives the action of the verb or completes the meaning of the verb (**कर्त्ता के द्वारा किसी पर किया गया कार्य**)** जैसे **-**
   He kicked the ball.
   He (subject - कर्त्ता**)** के द्वारा किया गया कार्य **(kick) ball (object)** पर हो रहा है।
5. **<u>Intransitive verb (अकर्मक क्रिया)</u> – Intransitive verb doesn't transfer action so it doesn't have an object (**कर्त्ता किस पर कार्य कर रहा है वह ना हो**)**
   The phone broke.Sita is laughing.

जब हम **verbs** (क्रिया) की बात करते हैं तो यह बहुत **important** है कि बोलते समय और लिखते समय **verb** की सही **form** का प्रयोग करना बहुत ही आवश्यक है। **verb** की **forms** से मतलब **tenses** से हैं। इसलिए **verbs** के साथ साथ **tenses** का ज्ञान होना चाहिए। हम अपनी आने वाली **classes** में **tenses** के बारे में विस्तार से जानेंगे। अभी हम अन्य **Parts of Speech** के बारे में जानते हैं।

<u>4. Adjective (विशेषण)</u>

Adjective (विशेषण**) English Grammar** में कोई ज्यादा कठिन **Lesson** नहीं है पर आपको जानना होगा कि ये है क्या और इसका उपयोग हमें कहां और कब करना है। वह शब्द है जो किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है या फिर संज्ञा या सर्वनाम की अतिरिक्त खासियत के बारे में बताता है, उसे विशेषण **Adjective** कहते हैं। जैसे-

Akansha is a beautiful girl. (आकांक्षा एक सुंदर लड़की है।**)**

आकांक्षा (संज्ञा) है और इसकी विशेषता "सुन्दर" होना है। इसलिए **beautiful (**सुंदर**) adjective** है।

5. Adverb (क्रिया विशेषण)

आपने हिंदी बोलते वक्त धयान दिया होगा कि हम वाक्य में थोड़ा, कम, ज्यादा, इतना, उतना, आज, कल, ऊपर, इत्यादि शब्दों का उपयोग करते हैं यही **Adverb (**क्रिया विशेषण**)** हैं। क्रिया विशेषण वो शब्द या शब्दों का समूह **(**उपवाक्य**)** होते हैं जो क्रिया की या फिर विशेषण की या फिर किसी दूसरे क्रिया विशेषण की विशेषता बताते हैं या फिर उनके बारे में कुछ अतिरिक्त सूचना देते हैं। जैसे

Ram runs fast. (राम तेज दौड़ता है।**)**

'fast' शब्द का प्रयोग करने से दौड़ने के बारे कुछ अतिरिक्त बात पता चलती है। चूँकि दौड़ना**(run)** एक क्रिया है इसलिए इस क्रिया के बारे में अतिरिक्त सूचना देने वाला यह शब्द **'fast'** एक **Adverb** है।

6. Preposition (सम्बन्ध सूचक अव्यय या पूर्वसर्ग)

English Grammar में **Preposition** का बहुत ही महत्व है, जब हम किसी से हिंदी में बात करते हैं तब उस वक्त **Preposition** का इस्तेमाल हम अच्छे से करते हैं, लेकिन जब **English** में हम बोलते हैं तो अक्सर गलत **Preposition** का उपयोग कर देते हैं। इसीलिए हम इस **course** में एक **class** में सिर्फ **Preposition** के बारे में ही बात करेंगे। अभी यह जानना आवश्यक है की **Preposition** होते क्या है?

Preposition (संबंध सूचक अव्यय**)** वह शब्द जो **Noun (**संज्ञा**)** या **Pronoun (**सर्वनाम**)** का वाक्य के दूसरे भाग के बीच में संबंध को बताता है। जैसे -

Raj is at home. (राज घर पर है।**)**

Book is on the table. (पुस्तक टेबल पर है।**)**

दिए गए वाक्यों में राज कहाँ पर है, यह हमें **at** शब्द से पता चलता हैं। इसी तरह **book** टेबल पर है यह हमें पता चलता हैं **on** शब्द से। ये दोनों ही **preposition** है।

7. Conjunction (संयोजक/ समुच्चयबोधक)

Conjunction (समुच्चयबोधक**)** वह शब्द है जो बीच में आकर दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ता हैं जैसे **- and, or, but** इत्यादि। लिखते समय या बोलते समय सही **conjunction** का प्रयोग करना अतिआवश्यक है अन्यथा अर्थ का अनर्थ भी हो सकता हैं। **Conjunction** वाक्य का अर्थ बदल सकते हैं जैसे **-**

अगर मैं कहना चाहती हूँ कि मुझे मुझे एक चॉकलेट और एक आइसक्रीम चाहिए। तो इस वाक्य में सही **conjunction AND** होगा।

I want a chocolate and an ice cream.

पर अगर गलती से मैंने **OR** का प्रयोग कर दिया तो वाक्य का अर्थ ही बदल जाएगा **-**

I want a chocolate or an ice cream. (मुझे चॉकलेट या आइसक्रीम चाहिए।**)**

OR का प्रयोग करने का मतलब मुझे दोनों में से कोई एक ही चाहिए जबकि मैं दोनों चीज़ें हो चाहती थी।

इसी को ध्यान में रखते हुए हमारा एक **session conjunction** पर आधारित होगा।

8. Interjection (विस्मयादिबोधक)

इसका प्रयोग अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए किया जाता है। अचानक हुई किसी घटना से मन की भावनाओं का व्यक्त होना जैसे खुशी या दुख को प्रकट करना आदि भावनाओं को व्यक्त करने के लिए प्रयोग किये गये ऐसे शब्द के अन्त में **Exclamation mark (!)** को लगाया जाता है। जैसे **-**

खुशी व्यक्त करने के लिए → Hurrah!, Great!, Wow!, Thanks! etc.

दुख व्यक्त करने के लिए → Alas!, Oh my God!, So sorry!, What a tragedy!, How tragic!, Oh no!, How sad! Etc.

चौंकते हुए (Surprise) भावनाओं को व्यक्त करने के लिए → What! , Ha!, Oh my God!, My Goodness!, Amazing!, Fantastic!, Wow! , Is it! etc.

अपनी सहमति (Consent) व्यक्त करने के लिए → Bravo! , Please! , Certainly! , True! , Well done!, Sure! etc.

अपनी गलती को व्यक्त करने के लिए → Oh! , Oops!, My God!, No! etc.

Sentence Examples:

भगवान आपको आशीर्वाद दे! → God bless you!

वाह! , गजब! , बहुत बढ़िया! → Wow! , Wonderful!

भगवान की दया से! , प्रभु की कृपा से! → By God's grace !

कितने दुख की बात है! , कितना दुखद! → How sad! , How tragic!

उसकी इतनी हिम्मत! → How dare he!

ओह प्यारे! → Oh honey! , Oh dear!

बहुत बड़ी गलती! → Terrible mistake!

विश्वास नहीं हो रहा! , बहुत ही जबरदस्त! → Incredible! , Amazing! Awesome!

बकवास! → Absurd! Nonsense ! Aweful!

भगवान का शुक्र है! → Thank God!

ये हुई न बात! (जीत की खुशी) → Hurry! , That's it!

नज़र न लगे! → Touch wood! , Finger crossed!

ज़रुर! , क्यों नहीं! , पक्का! → Sure! , Why not!, of course!

शाबास! → Well done!

क्या खबर है! (खुशी से कहना) → What a news!

सच में! (चौंकते हुए) → Really! , Is it!

बहुत-बहुत धन्यवाद! → Thanks a lot!

बधाई हो! → Congratulations!

क्या आइडिया है! → What an idea!

Parts of Speech के बारे में जान लेने के बाद जल्दी से हम Types of sentences के बारे में जान लेते हैं। इससे जानना इसलिए जरूरी है कि जब हम tenses के बारे में सीखेंगे तो अलग अलग तरह के वाक्यों की संरचना के बारे में हमें पहले से पता होगा।

TYPES OF SENTENCES

संदेश के आदान प्रदान के लिये भाषा का उपयोग किया जाता है. हर भाषा में बोलने अथवा लिखने के लिए शब्दों के समूहों का प्रयोग किया जाता है. ऐसे शब्दों के समूह जिनके भाव पूरे हों को हम **sentence (**वाक्य**)** कहते हैं.
वाक्य **(Sentence)** पांच प्रकार की होते हैं :

1. **Assertive sentence (**साधारण वाक्य**)**
2. **Interrogative sentence (**प्रश्नवाचक वाक्य**)**
3. **Imperative sentence (**आदेशसूचक वाक्य**)**

4. Exclamatory sentence (विस्मयसूचक वाक्य**)**

5. Optative sentence (इच्छासूचक वाक्य**)**

1. Assertive sentence (साधारण वाक्य) :

पहचान : वे वाक्य जो कथन करते हैं या सूचना देते है **Assertive sentence** कहे जाते हैं;:

Hema reads a book. (हेमा एक किताब पढ़ती है।

He goes to office. (वह ऑफिस जाता है।**)**

Assertive sentence दो प्रकार के होते हैं :

(A) Affirmative Sentences (सकारात्मक वाक्य) (SUBJECT + VERB + OBJECT): ऐसे वाक्य जिनसे सकारात्मक सूचना प्राप्त होती है उन्हें **Affirmative** या **Positive Sentences** कहते हैं; जैसे:

The earth moves round the sun. (पृथ्वी सूर्य का चक्कर लगाती है।**)**

He always speaks the truth. (वह हमेशा सच बोलता है।**)**

(B) Negative Sentences (नकारात्मक वाक्य) (SUBJECT + (HELPING VERB) NOT + VERB + OBJECT): जिन वाक्यों में नकारात्मक सूचना मिलती है, उन्हें **Negative Sentences** कहते हैं; जैसे:

I do not go to office. (मैं ऑफिस नहीं जाता।**)**

She is not coming here for dinner. (वह यहां डिनर के लिए नहीं आ रही है।**)**

2. Interrogative sentence (प्रश्नवाचक वाक्य) (WH- WORD + HELPING VERB + SUBJECT + VERB + OBJECT?) OR (HELPING VERB + SUBJECT + VERB + OBJECT?)

Interrogative sentence में प्रश्न पूछे जाते है. इन्हें **question form** भी कहते हैं; जैसे:

What is your name? (तुम्हारा नाम क्या है**?)**

Where do you live? (आप कहाँ रहते हैं**?)**

Do you come here daily? (क्या आप यहां रोज आते हैं**?)**

Are you working here? (क्या आप यहाँ काम कर रहे हैं**?)**

इस प्रकार के प्रश्नों में वाक्य के अंत में प्रश्नवाचक चिन्ह (?) लगाना आवश्यक होता है.

3. Imperative sentence (आदेशसूचक वाक्य)

जिन वाक्यों से आदेश, विनय, निवेदन, सुझाव या प्रस्ताव दिया जाता है उन्हें **Imperative sentence** (आदेशसूचक वाक्य) कहते हैं; जैसे:

Sit down here. (यहाँ बैठ जाओ।)

Open the door. (दरवाजा खोलो।)

Please, give me a cup of tea. (कृपया, मुझे एक कप चाय दें।)

Work carefully. (ध्यान से काम करें।)

इस प्रकार के वाक्यों में मुख्य क्रिया पहले प्रयोग की जाती है तथा You शब्द छिपा रहता है.

4. Exclamatory sentence (विस्मयसूचक वाक्य)

जिन वाक्यों से हृदय की गंभीरता, भावनाएं प्रकट हो उन्हें **Exclamatory sentence** (विस्मयसूचक वाक्य) वाक्य कहते हैं; जैसे:

Alas! he was dead. (अफसोस! वह मर गया।)

How beautiful the rain is! (बारिश कितनी खूबसूरत है!)

Nonsense! (बकवास!)

WOW! What an idea! (वाह! क्या विचार है!)

इस प्रकार के वाक्यो की पहचान यह है कि इन के अंत में या मध्य में विस्मयसूचक सूचक चिन्ह **(!)** का प्रयोग किया जाता है. विस्मयसूचक वाक्यों में एक, दो शब्द या बिना क्रिया के भी वाक्य बन जाता है.

5. Optative sentence (इच्छासूचक वाक्य)

वे वाक्य जिनमें किसी इच्छा, शुभकामना, ईश्वर से की गई प्रार्थना एवं श्राप आदि को अभिव्यक्त करते हैं **Optative sentence** (इच्छासूचक वाक्य) कहलाते हैं; जैसे:

May you go to hell!
May you prosper!
May you live long!
Oh, could fly like a bird!

इस प्रकार के वाक्यों की पहचान यह है कि इन के अंत में विस्मयसूचक चिन्ह (!) का प्रयोग किया जाता है. ऐसे वाक्यों में इच्छा, शुभकामना एवं ईश्वर से प्रार्थना व्यक्त की जाती है.